स्वयं सहायक दल[1]

'स्वयं सहायक दल' है.....

'.....कार्य शुरू करने का एक मार्ग जो सामाजिक संबंध बनाने में सहायता प्रदान करता है और लोगों के जीवनयापन के लक्ष्य को सिद्ध हैं '

'लोगों को किसी विषय पर राजी करने में तथा एकजुट होकर किसी बात को बतलाने में सहायता प्रदान करती है; नीति बनाने के कार्य में लोगों के विचारों को शक्ति प्रदान करती है और अपने से अधिक क्षमता वाले लोगों के साथ बातचीत करने में सहायता प्रदान करता है '

'पश्चिम बंगाल के गाँव में स्वयं सहायक दल मछली पालन के क्षेत्र में काफी सफल रहें है। उनके पास काफी जमा पुंजी है जिसके कारण उन्हें बैंक से अधिक ऋण प्राप्त होने में सुविधा होती है।'- अजित बैनर्जी, बैंक शाखा प्रबंधक, लधुर्का, पुरूलिया, पश्चिम बंगाल, भारत

'मेरा गाँव शहर से ३० किमी. की दूरी पर है, पहले सहायता प्राप्त करने का कोई स्थान नहीं था लेकिन स्वयं सहायक दल के गठन ने लोगों में उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सहायता मांगने एवं उसे पाने का आत्मशक्ति एवं आत्मविश्वास जगाया।'-कुड्डुस अंसारी जनकार (स्व सहायक दल का नेता), काईपाड़ा, पश्चिम बंगाल, भारत

'.....स्थानीय गतिविधियों को प्रभावशाली बनाने का एक जरिया'

"...लघु-ऋण, अन्य संपदा एवं सेवाओं को आसानी से प्राप्त कराने का एक साधन'"

स्वयं सहायक दलों के माध्यम से सामाजिक संबंध बनता है, और दूसरे कार्य इस प्रकार हैं-

सेवा प्रदान करने वालों एवं उसे ग्रहण करने वालों के बीच संपर्क बढ़ाने में सहायता करती है और उनमें एकजुट होकर काम करने की मनोभाव को बढ़ाती है तथा एक ही सोच वाले लोगों के बीच संपर्क की कड़ी को मजबूत करती है एवं बड़े संस्थानों जैसे राजनैतिक या नीजि संगठनों का हिस्सा बनने का मौका प्रदान करती है।

किसी संगठित दल के सदस्य बनने में सहायता करता है जिसमें अक्सर सबके द्वारा स्वीकृत नियम एवं काम करने की प्रक्रिया शामिल रहता है और यह भी प्रावधान रहता है कि अगर कोई नियमों को पालन न करें तो उनके क्या किया जाए।

विश्वास का संबंध स्थापित करतें है (जिसको आदन-प्रदान भी कहा जाता है), सूचनाओं का आदान-प्रदान करते है, एक साथ काम करने में सहायता करते है, सहयोगी मनोभाव से काम करने से काम का बोझ भी हल्का होता है और लोगों में सुरक्षा की भावना भी उत्पन्न होती है (एक दूसरे को सहायता करना)। यह मनुष्य या समूह भी हो सकता है जो एक-दूसरे को सहायोग करते हैं और आगे चलकर यह एक स्व सहायताकारी दलो के फेडरेशन का रूप धारण करती है।.

स्व सहायक दलों का फेडरेशन सेवा प्रदान करने वाले, जैसे प्रसार एवं अन्य सरकरी तथा गैरसरकारी संगठनों की सेवाएँ, ग्रामीण बैंक माल स्पलाई करने वालों तथा बाजार के साथ संपर्क स्थापित करने में सार्थक सिद्ध हुई है।

'स्वयं सहायक दल के माध्यम से मत्स्यपालन शोधकार्य तथा ग्रामीणों के लिए सरल ऋण एक साथ मिलने से भारत के जावरा गाँव के निवासियों में खाद्य सुरक्षा बढ़ा है एवं उनके सिर से कर्ज का बोझ भी कमा हैं'- 'नेचुरल रिसोर्स सिस्टम प्रोगाम' वार्षिक रिपोर्ट- २००३-०४

ललिता महतो, एक बंगाली वरिष्ठ महिला के अनुसार, 'एक समय था जब हम गॉव के किसी पुरूष व्यक्ति के साथ बात करने में डरते थे और अनजान व्यक्तियों के साथ बात करने के संबंध में सोच भी नहीं सकते थे, लेकिन अब हम बैंक जाते है और ऋण लेने के बारे में पूछताछ भी करते हैं, पंचायत के पास हम अपनी शिकायत दर्ज करते है और समस्याओं का मुकाबला डटकर करते हैं। हमें खुशी है कि आजकल लोग हमारी बातों को सुनते हैं और हमें सम्मान भी देते हैं।'

[१] सामाजिक संपदा बनाने का एक जरिया जिसके माध्यम से लोग अपनी गरीबी दूर करने एवं जीविका निर्वाह करने में समर्थ होते हैं।

स्वयं सहायक दल किस प्रकार तैयार किया जा सकता है

शुरू करने के लिए

१. यह देखना है कि पहले से कोई दल मौजुद है या नहृ

अगर कोई दल पहजे से हो तो उनसे पूछिए आप उनसे मिल सकते है या नहीं अगर आप जो खोज रहे है वह आपको मिल जाए तो आपको फिर अपना दल बनाने की जरूरत नहीं है अगर नहीं प्राप्त हुआ, तो आप उस दल से कुछ जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

२. दूसरे के साथ मिलकर काम कीजिए और उनसे सहायता लीजिए

एक ऐसा दल शुरू कीजिए जहाँ सभी सदस्य के कुछ ना कुछ योगदान हो। किसी एक ऐसे व्यक्ति के साथ संपर्क करने का प्रयत्न कीजिए जो अपना दल बनाया हो। जब कोई नया व्यक्ति दल में योग दे तब उसे अवगत करए कि सभी सदस्यों को चंदा देना जरूरी है। पेशेवरों का सहायता लीजिए जो आपके जरूरतों को समझ पाएगा और आपकी सहायता करने के लिए इच्छुक होगा। परियोजना, बैंक, गैरसरकारी संस्थान और प्रसारकर्मी भी सहायता प्रदान करते हैं जैसे- बैठक के लिए जगह देने से लेकर जरूरतों के संपदाओं को चिन्हित करातें है।

३. छोटे पैमाने में शुरू करे

सम्सयाओं से जुझने के लिए छोटे स्तर पर कार्य शुरू करें, गलतियों से सिखें, इससे लोगों के पास जाने से पहले सब सुचारू हो जाती है। छोटे समूह में वाद-विवाद से विभाजन की संभावना कम होती है और इनपर अल्पसंख्यकों की प्रभुत्व की संभावना भी कम रहती है। एक ही पृष्ठभूमि एवं समान विचारों वालें लोगों में आपसी विश्धास अधिक रहता है और वे अपने काम के बोझ को मिल जुलकर उठाते हैं।

४. अपने दल के लिए एक नाम चुनना

दल के नाम से लोगों को यह महसूस होता है कि वे उस दल के सदस्य हैं जो एक निश्चित उद्देश्य के लिए काम कर रहें हैं। यह लोगों को एक साथ जोड़ने में सहायता करती हैं।

५. एक नियम को स्वीकार करना

यह एक लिखित नियम है जिसका उद्देश्य एवं नियम समूह के लिए होता है, दल से सदस्यों की आशा और सदस्यों से दल की उम्मीदें, इससे दल में विवाद नहीं होता और दल के प्रत्येक सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास भी रहता है।

६. बैठक का समय एवं स्थान का निर्धारण करना

पुरूष एवं महिलाओं को (अलग-अलग या एक साथ) दल में भाग लेने के लिए उत्साहित करें। बैठक के लिए एक उपयुक्त जगह का चयन करें जिसमें सभी महिलाएँ और पुरूष भाग ले सकें और साथ ही साथ उनमें नेतृत्व की भावना भी जागृत हो। अगर आप एक छोटे दल की कल्पना करते हैं और उस विचार से संतुष्ट है तो आप किसी एक सदस्य के घर में प्रारंभिक बैठक कर सकते है। कोशिश करे कि बैठक के लिए एक सुविधाजनक समय एवं स्थान हो जिससे लोगों को बैठक का समय याद रहे, जैसे महीने का पहला मंगलवार।

कुछ सुझाव...

उत्साहित करें:

- समूह की बैठक में नियमित उपस्थिति
- दल की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता; रिकार्ड (जैसे बैठक की बातचीत की बही, हाजरी रजिस्टर, हिसाब खाता) समूह को बैठक में लिए गए निर्णयों को याद रखने सहायता करती है। ये अनुसरण और मूल्यांकन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है।

समूह की बैठक के सार को लिखने का एक उद्हारण

दिनांक	विषय	चर्चा	निर्णय
४/६	कार्यशाला	हाँ	तीन सदस्य जाएँगें
	आहार की खरीद-फरोख	हाँ	दो लोग तीन बोरा खरीदेंगे, ६ / ६
	देर से आने के लिए सदस्यो को जुरमाना	हाँ	कोई भी नहीं
११/६	कार्यशाला में उपस्थिति	हाँ	नियमों में सुधार
	मुर्गी बेचने की रिपोंट	हाँ	सभी सदस्य विद्यालय में प्रचार करेंगे
१८/६	.....		

- छोटे संचय से ठोस धनराशि तैयार करें; इस बचत राशि से सदस्यों को ऋण प्राप्त हो सकेगा तथा इस आधार पर ऋण देने की व्यवस्था, ब्याज दर, ऋण का किस्त और ऋण लौटाने की नियमों को तैयार करनें की दक्षता हासिल करें जिससे बैंक से ऋण मिलन में सुविधा हो।
- निकटवर्ती व्यवसायिक एवं ग्रामिण बैकों अथवा कोआपरेटीव बैंकों में बचत खता खोलने से बैंक तथा स्व सहायक दल के बीच संपर्क स्थापित होगा।

- आय जनित कार्य जिससे ऋण लौटाने के लिए संपत्ति का उपार्जन हो लोगों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

- निरंतर नेतृत्व परिवर्तन पर सहमती से दीर्घकालीन परियोजना अव्यवस्थित तथा बाधित होता है। दूसरी ओर समूह के भीतर नेतृत्व परिवर्तन से सभी सदस्यों को संगठनात्मक एवं नेतृत्व प्रदान करने की हुनर को विकास करने का अवसर मिलेगा।

दूर रहें:

- सदस्यों के बीच जाति, धर्म तथा राजनैतिक संबंध के कारण भेद-भाव से बचें ।

प्रबंध समिति का गठन

संपर्क के लिए महत्वपूर्ण पता

अन्य बेहतर कार्यों के लिए दिशानिर्देश

इस क्रम में और भी 'बेहतर कार्य करने का दिशानिर्देश' है, जैसेः

- सूचनाओं को प्राप्त करने का सर्वेक्षण
- एकमत तैयार करने की प्रक्रिया

आप इस प्रतिवेदन तथा अन्य 'बेहतर कार्य करने की निर्देशावली' की प्रतिलिपि अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय, स्ट्रीम क्षेत्रीय कार्यालय या स्ट्रीम वेवसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

बेहतर कार्य करने की निर्देशावली के बारे में हम आपके विचारों को जानना चाहते हैं, आप अपने विचार अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय के केन्द्र प्रबंधक को फोन, ई-मेल अथवा पत्र के माध्यम से भेज सकते हैं।

आपके देश के स्ट्रीम कार्यालय का पता है:

ड्यूप्लेक्स सं.- २, टि.एस.होम्स, टकांपानी रोड
भुवनेश्वर- १८
फोनः ०६७४ २३८१८५१
फैक्सः ०६७४ २३८१८५१
ई-मेलः rubumukherjee@rediffmail.com

स्ट्रीम के क्षेत्रीय कार्यालय का पता है:

c/o नाका
डिपार्टमेंन्ट ऑफ फिसरिज़ कमप्लेक्स
कैसेतसर्त यूनिवर्सीटी कैम्पस
फै हो लाइओ थिन रोड
बैनखेन, बैंगकाक- १०९०३
थाईलैण्ड

स्ट्रीम वेवसाइटः
www.streaminitiative.org